Lecturer & Coach (Sec. Edu. Deptt.) Comp. Exam - 2025
Exam Date - 05.06.2026
10.6.2026

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

LCS-26

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

6175845

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

Paper Code : 09

Paper – II
Sub : Sanskrit

समय : 03:00 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03:00 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- **प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं ।**
- **प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।**

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न केलिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।**
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा** । गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जांच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. **मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022** तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than **one** answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

1. 'लभ्' धातोः लोटि उत्तमपुरुषैकवचने, लङि मध्यमपुरुषबहुवचने, विधिलिङि मध्यमपुरुष-द्विवचने च यथाक्रमं रूपाणि भवन्ति –

(1) लभे, अलभतम्, लभेयथम्

(2) लभै, अलभध्वम्, लभेयाथाम्

(3) लभेम, अलभताम्, लभेयाताम्

(4) लभामि, अलभथाम्, लभेयतम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. 'अपिबत' इति पा धातोः रूपं कुत्र प्राप्यते ?

(1) लङ्लकारप्रथमपुरुषैकवचने

(2) लङ्लकारमध्यमपुरुषैकवचने

(3) लङ्लकारमध्यमपुरुषबहुवचने

(4) लङ्लकारप्रथमपुरुषबहुवचने

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. 'हन्' धातोः लोटि प्रथमपुरुषैकवचने उत्तमपुरुषैकवचने मध्यमपुरुषैकवचने च क्रमशः रूपाणि सन्ति –

(1) हन्ति हन्मि हन्सि

(2) हन्तु हनानि जहि

(3) हन्तु जहि हनानि

(4) जहि हन्तु हनानि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. 'इण्' धातोः 'क्यप्' – प्रत्यये कृदन्तपदं भवति –

(1) इण्यः (2) इक्यः

(3) इत्यः (4) एत्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. उत्पूर्वकात् 'टु ओश्वि' इति धातोः निष्ठाक्त प्रत्यये कृतं रूपं भवति –

(1) उत्श्विनः (2) उद्शूनः

(3) उच्छूनः (4) उच्श्ूनः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. "ज्ञः" इत्यत्र प्रकृति–प्रत्ययौ स्तः

(1) ज्ञा + कः (2) ज् + नङ्

(3) ज्ञा + घञ् (4) ज्ञा + ष्यञ्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. "पच् + शानच्" अत्र शुद्धं रूपमस्ति –

(1) पचानः (2) पचमानः

(3) पचन् (4) पाचमनः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. "क्री" धातोः परस्मैपदे विधिलिङ्लकारे मध्यमपुरुषैकवचने रूपम् –

(1) क्रीणीः (2) क्रीयाः

(3) क्रीणीयाः (4) क्रीयेः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. एतेषु यत् प्रत्ययस्योदाहरणं नास्ति –

(1) भव्यम् । (2) हेयम् ।

(3) उपमेयम् । (4) कार्यम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. "आढ्यतमः" अत्र कस्मिन्नर्थे प्रत्ययः प्रयुक्तोऽस्ति ?

(1) भावार्थे

(2) मत्वर्थे

(3) कर्मण्यर्थे

(4) अतिशयविशिष्टार्थे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. उष्णं भुङ्क्ते तच्छीलः इति विग्रहे "उष्णभोजी" अत्र कः प्रत्ययः वर्तते ?

(1) इनि (2) णिनिः

(3) ङीप् (4) क्तिन्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. शब्दप्रत्यययोः समुचितं युग्मं नास्ति

(1) चन्द्रमुखी – ङीष्

(2) शार्ङ्गरवी – ङीप्

(3) पण्डितः – इतच्

(4) युवतिः – तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. 'परि' उपसर्गस्य प्रयोगः कस्मिन्नर्थे भवति ?

(1) प्रातिलोम्यार्थे (2) उपजनार्थे

(3) सर्वतो भावार्थे (4) अभिपूजितार्थे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. तत्साधुकृतसन्धानं प्रतिसंहर सायकम् ।
आर्तत्राणाय वः शस्त्रं न प्रहर्तुमनागसि ।।
इत्यत्र कतिकृत्वः उपसर्गस्य प्रयोगो वर्तते ?

(1) त्रिः (2) चतुः

(3) पञ्चकृत्वः (4) द्विः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. "यः कौमार हरः स एव हि वरस्ता एव चैत्रक्षपाः",
"न खलु न खलु बाणः सन्निपात्योऽयमस्मिन्",
"क्रूरस्तस्मिन्नपि न सहते संगमं नौ कृतान्तः" च
इत्येतेषु क्रमशः छन्दसां नामानि निर्दिशत –

(1) शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी शिखरिणी

(2) वियोगिनी, स्रग्धरा, मन्दाक्रान्ता

(3) शार्दूलविक्रीडितम्, मालिनी, मन्दाक्रान्ता

(4) मालिनी, मन्दाक्रान्ता, पुष्पिताग्रा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. अधोलिखितेषु उपसर्गयुक्तमशुद्धपदं चिनुत –

(1) आधारः (2) आघातः

(3) न्यायः (4) आद्रशः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. युक्तियुक्तं समीचीनं च कथनं स्वीकृत्य शुद्धं विकल्पं चिनुत –

क. भुजङ्गप्रयातच्छन्दसि द्वादश वर्णाः भवन्ति ।

ख. रथोद्धताछन्दसि अन्त्यवर्णः लघुः ।

ग. मालिनीवृत्ते क्रमशः सप्तभिः अष्टाभिश्च वर्णैर्यतिर्भवति ।

घ. पुष्पिताग्रावृत्तम् अर्धसमवृत्तम् ।

(1) क – ख – कथने समीचीने

(2) ख – ग – कथने समीचीने

(3) क – ग – कथने समीचीने

(4) क – घ – कथने समीचीने

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. रसैः, अश्वैः, नगैरिति पदैः कति-कति वर्णसंख्या विज्ञातव्या इति क्रमशः उल्लिखत –

(1) षट् सप्त सप्त

(2) षट् चत्वारः नव

(3) सप्त सप्त सप्त

(4) षट् षट् षट्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. वंशस्थवृत्ते क्रमशः गणाः सन्ति –

(1) जगणः तगणः तगणः जगणः

(2) जगणः तगणः रगणः तगणः

(3) जगणः रगणः रगणः तगणः

(4) जगणः तगणः जगणः रगणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. रसानुगुणवर्णानां प्रकर्षेण न्यासोऽस्तीत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

(1) समासोक्तिः (2) यमकम्

(3) दृष्टान्तः (4) अनुप्रासः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. यत्र अप्रस्तुतप्रस्तुतयोः एकधर्माभिसम्बन्धः स्यात्तदा कोऽलङ्कारः ?

(1) तुल्ययोगिता (2) निदर्शना

(3) दीपकम् (4) अपह्नुतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. "गगनं गगनाकारं सागरः सागरोपमः ।
रामरावणयोर्युद्धं राम-रावणयोरिव ।।" अत्र कोऽलङ्कारः ?

(1) भ्रान्तिमान् (2) अनन्वयः

(3) समासोक्तिः (4) श्लेषः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. अत्र असंगतं युग्मं चिनुत –

(1) यानां त्रयेणेति – स्रग्धरा

(2) म सजौ सततगाः – शार्दूलविक्रीडितम्

(3) रसयुगहयैरिति – हरिणी

(4) यदि तौ जगौ गः – उपेन्द्रवज्रा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. अलङ्काराणां तेषामुदाहरणेन सह समुचितं मेलनं विधाय समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	यमकम्	i.	दिशि मन्दायते तेजः
ख.	उपमा	ii.	दमो मोदः
ग.	रूपकम्	iii.	गौरिव गवयः
घ.	व्यतिरेकः	iv.	मुखं चन्द्रः

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iv	i	iii
(2)	iii	ii	iv	i
(3)	i	ii	iii	iv
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. "के यूयं स्थल एव सम्प्रति वयं प्रश्नो विशेषाश्रयः, किं ब्रूते विहगः स वा फणिपतिर्यत्रास्ति सुप्तो हरिः ।" इत्यत्र कोऽलङ्कारः ?

(1) सन्देहः

(2) श्लेषवक्रोक्तिः

(3) उत्प्रेक्षा

(4) दृष्टान्तः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. "प्रकृतं प्रतिषिध्यान्यस्थापनमि"ति लक्षणमस्ति –

(1) वक्रोक्तेः (2) विभावनायाः

(3) समासोक्त्याः (4) अपह्नुतेः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. कस्मिन्नर्थे अव्ययीभावसमासो न भवति ?

(1) यथार्थे (2) सम्प्रत्यर्थे

(3) सादृश्यार्थे (4) विभक्त्यर्थे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. "कृष्णसर्पः" 'पञ्चवटी' 'अब्राह्मणः' इत्यमीषां समासनामानि क्रमशः वर्त्तन्ते –

(1) कर्मधारयः, द्विगुः, नञ्तत्पुरुषः

(2) बहुव्रीहिः, द्विगुः, तत्पुरुषः

(3) तत्पुरुषः, द्वन्द्वः, द्विगुः

(4) विशेषणपूर्वपदबहुव्रीहिः, समाहारद्विगुः, बहुव्रीहिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. 'सर्वरात्रः' इत्यत्र कः समासान्तप्रत्ययः ?

(1) टच्प्रत्ययः (2) अच्प्रत्ययः

(3) षप्रत्ययः (4) अत्प्रत्ययः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. 'काकाश्च उलूकाश्च तेषां समाहारः' इत्यस्य समस्तपदमस्ति –

(1) काकोलूकी

(2) काकोलूकीयम्

(3) काकोलूकाः

(4) काकोलूकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. अधोलिखितेषु व्यधिकरणपदबहुव्रीहिसमासस्य एकशेषद्वन्द्वसमासस्य चोदाहरणे वर्तेते –

(1) पीताम्बरः, पितरौ

(2) चक्रपाणिः, श्वशुरौ

(3) महायशाः, पुत्रौ

(4) दिगम्बरः, मातापितरौ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. 'राम के घर जाने पर श्याम आया' इत्यस्य वाक्यस्यसंस्कृतानुवादः वर्तते –

(1) रामे गृहं गते श्यामः आगतः ।

(2) रामस्य गृहे गते श्यामः आगतः ।

(3) रामे गृहमागते श्यामः आगच्छत् ।

(4) रामस्य गृहमागते श्यामः आगतः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. "तृणमपि अपरित्यज्य" "पीतम् अम्बरम्" "षण्णां मातृणामपत्यम्" "सीतया सह" इत्यमीषां चतुर्णां समस्तपदसमासः क्रमशः वर्तते –

(1) अव्ययीभावः, बहुव्रीहिः, द्विगुः, अव्ययीभावः ।

(2) अव्ययीभावः, कर्मधारयः, द्विगुः, बहुव्रीहिः ।

(3) तत्पुरुषः, कर्मधारयः, द्विगुः, अव्ययीभावः ।

(4) कर्मधारयः, कर्मधारयः, द्विगुः, बहुव्रीहिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. 'भक्त के लिए हरि मोक्ष को धारण करते हैं' इति वाक्यस्य संस्कृतानुवादः –

(1) हरिः भक्ताय मोक्षं धारयति ।

(2) भक्तस्य हरिणा मोक्षः धारयति ।

(3) भक्तेन हरये मोक्षे धारयति ।

(4) भक्तं हरिः मोक्षाय धारयति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. 'क्रूर पर क्रोध करता है' इत्यस्य संस्कृतानुवादः –

(1) क्रूरेऽभिक्रुध्यति ।

(2) क्रूरमभिक्रुध्यति ।

(3) क्रूरायाभिक्रुध्यति ।

(4) क्रूरेणाभिक्रुध्यति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. 'अशिष्ट से विनय की याचना करता है' इत्यस्य संस्कृतानुवादः किम् ?

(1) अविनीतेन विनयं याचते ।

(2) अविनीतेन विनयस्य याचते ।

(3) अविनीतं विनयं याचते ।

(4) अविनीतं विनयस्य याचते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. एषु शुद्धं वाक्यं चिनुत –

(1) लोकस्य हितं विधातुं साधवः बद्धकक्षा भवन्ति ।

(2) लोकाय हितं विधातुं साधवो बद्धकक्षा भवन्ति ।

(3) लोके हितं विधातुं साधवः बद्धकक्षा भवन्ति ।

(4) लोकाद् हितं विधातुं साधवः बद्धकक्षा भवन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. अधस्तनेष्वशुद्धं वाक्यं वर्तते –

(1) कृषकः ग्रामे अजां नयति ।

(2) नाना नार्या निष्फला लोकयात्रा ।

(3) अतिदानाद् बलिर्बद्धः ।

(4) कवीनां कालिदासः श्रेष्ठः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. "महेशः पितरौ प्रनम्य कार्यालयं याति" वाक्यमिदं संशोधयत –

(1) महेशो पितरौ प्राणम्य कार्यालयं याति ।

(2) महेशः पितरौ प्रणम्य कार्यालयं याति ।

(3) महेशः पितरौ प्रनत्य कार्यालयं याति ।

(4) महेशो पितरौ प्रणत्वा कार्यालयं याति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'संसमिद्युवसे वृषन्नग्ने विश्वान्यर्य आ ।' प्रार्थनेयं कस्मिन् सूक्ते प्राप्यते ?

(1) अग्निसूक्ते (2) वरुणसूक्ते

(3) विष्णुसूक्ते (4) संज्ञानसूक्ते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. 'तदस्य प्रियमभि पाथो अश्याम्' इति मन्त्रांशस्य ऋषिः कः ?

(1) दीर्घतमा (2) शुनःशेपः

(3) नारायणः (4) याज्ञवल्क्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. पुरुषसूक्तानुसारं वेदक्रमः क्रमशः वर्तते –

(1) ऋक्, यजुः, साम

(2) ऋक्, साम, यजुः

(3) साम, यजुः, ऋक्

(4) ऋक्, यजुः, साम, अथर्व

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. अधस्तनेषु शुद्धवाक्यं चिनुत –

(1) अस्यां कक्षायां रामः श्यामात् ज्येष्ठः ।

(2) अस्मिन् कक्षायां रामः श्यामात् ज्येष्ठतमः ।

(3) अस्यां कक्षायां रामः श्यामेन ज्येष्ठः ।

(4) अस्मिन् कक्षायां रामः श्यामेन ज्येष्ठतरः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. "येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत् परिगृहीतममृतेन सर्वम्। येन यज्ञस्तायते सप्तहोता" – इति मंत्रांशस्य देवता वर्तते –

(1) अग्निः (2) विष्णुः

(3) मनः (4) वरुणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. देवानां – तेषां ऋषीणां च संयोजनेन सह समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	विष्णुः	i.	विश्वामित्रः
ख.	वरुणः	ii.	नारायणः
ग.	अग्निः	iii.	शुनः शेपः
घ.	पुरुषः	iv.	दीर्घतमा

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	ii	i	iv
(2)	iii	iv	i	ii
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	iv	i	ii	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. 'पृथिवी' इत्यस्या निम्नेषु विशेषणपदं वर्तते पाठ्यक्रमानुसारम् –

(1) हिरण्यवक्षाः (2) वसुधा

(3) वसुन्धरा (4) ऊर्वी

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. श्रीमद्भगवद्गीतायाः द्वितीयाऽध्याये आत्मनः विशेषणं वर्तते –

(1) प्रमेयः (2) व्यक्तः

(3) सर्वगतः (4) क्लेद्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. नीतिशतके सत्संगति–प्रशंसा–विषयेऽसंगतं कथनं वर्तते –

(1) दिक्षु कीर्तिं तनोति

(2) पापम् अपाकरोति

(3) वाचि सत्यं सिञ्चति

(4) अवनतिं दिशति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. दुरोदरच्छद्मजितां जगतीं सुयोधनः केन जेतुं समीहते ?

(1) दण्डेन (2) पराभवेन

(3) युद्धेन (4) नयेन

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. कठोपनिषदि आत्मतत्त्वज्ञाने 'प्रग्रहम्' इति किमुच्यते ?

(1) इन्द्रियाणि (2) शरीरम्

(3) बुद्धिः (4) मनः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. निम्नलिखितेषु कस्य अनर्थपरम्परानास्ति ?

(1) गर्भेश्वरत्वस्य

(2) अभिनवयौवनत्वस्य

(3) अप्रतिमरूपत्वस्य

(4) मानुषशक्तित्वस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. मेघदूतानुसारं के चेतनाचेतनेषु प्रकृतिकृपणाः भवन्ति ?

(1) दुःखार्ताः (2) रोगार्ताः

(3) कामार्ताः (4) मदान्धाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. 'सर्वजनसाधारणमाश्रमपदं नाम' इत्युक्तिः कस्य वर्तते ?

(1) काञ्चुकीयस्य (2) राज्ञः

(3) यौगन्धरायणस्य (4) विदूषकस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य मङ्गलाचरणविषये संगतं वाक्यं नास्ति –

(1) या स्रष्टुः आद्या सृष्टिः ।

(2) यया प्राणिनः ज्ञानवन्तः ।

(3) या विश्वं व्याप्य स्थिता ।

(4) ये द्वे कालं विधत्तः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. "आत्मा वा अरे द्रष्टव्यः श्रोतव्यो मन्तव्यो निदिध्यासितव्यः" इति प्रसिद्धोपदेशः कुत्र प्राप्यते ?

(1) छान्दोग्योपनिषदि ।

(2) श्वेताश्वतरोपनिषदि ।

(3) बृहदारण्यकोपनिषदि ।

(4) मुण्डकोपनिषदि ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. विश्वविश्रुतं 'चरैवेति' गानं कस्मिन् आख्याने प्राप्यते ?

(1) 'विश्वामित्र-नदी' इत्याख्याने

(2) 'सरमा-पणिः' इत्याख्याने

(3) 'अगस्त्य-लोपामुद्रा' इत्याख्याने

(4) 'शुनःशेप' इत्याख्याने

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. "अक्षैर्मा दीव्य कृषिमित्कृषस्व" इति सुप्रसिद्धः शिक्षात्मको मंत्रांशः कस्मिन् वेदे प्राप्यते ?

(1) यजुर्वेदे

(2) ऋग्वेदे

(3) अथर्ववेदे

(4) सामवेदे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. अम्बिकादत्तव्यासस्य जन्म कदाभवत् ?

(1) 1877 खीष्टाब्दे (2) 1858 खीष्टाब्दे

(3) 1900 खीष्टाब्दे (4) 1846 खीष्टाब्दे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. भासस्य महाभारतमूलकरचना नास्ति –

(1) ऊरुभङ्गम् (2) दूतवाक्यम्

(3) मध्यमव्यायोगः (4) अविमारकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. भट्ट – श्रीकण्ठपदलाञ्छनः कविः कः वर्तते ?

(1) भवभूतिः (2) अन्नं – भट्टः

(3) त्रिविक्रमभट्टः (4) श्रीहर्षः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. "आदर्शरमणी" ग्रन्थस्य कर्त्ता कः वर्तते ?

(1) डॉ. शिवसागर त्रिपाठी

(2) स्व. भट्ट–मथुरानाथ शास्त्री

(3) स्व. देवर्षिकलानाथ शास्त्री

(4) पं. पद्मशास्त्री

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. क्रौञ्ची क्रौञ्चयोः का कस्मै विलापं चकार ?

(1) मन्दोदरी रावणाय

(2) तारा बालये

(3) रोहिणी चन्द्रमसे

(4) क्रौञ्ची क्रौञ्चाय

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. डॉ. शिवसागर त्रिपाठी विरचितनाट्यकृतिः नास्ति

(1) गाँधीगौरवम् (2) शरणशरणम्

(3) पद्मनीरत्नम् (4) प्राणाहुतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. समुचितं मेलनं कृत्वा समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	देवर्षिकलानाथ शास्त्री	i.	मधुच्छन्दा
ख.	पं. पद्मशास्त्री	ii.	पत्रदूतम्
ग.	प्रो. हरिराम–आचार्यः	iii.	सुधीजनवृत्तम्
घ.	पं. मोहनलाल पाण्डेयः	iv.	मनाचेश्लोकाः

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	iv	i
(2)	iii	iv	i	ii
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	i	iii	iv	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. "जगद्गुरुः श्रीशंकराचार्यः" इत्यस्य रचयिता वर्तते

(1) डॉ. प्रभाकर–शास्त्री

(2) डॉ. देवशर्मा

(3) स्व. देवर्षिकलानाथ शास्त्री

(4) डॉ. हरिराम – आचार्यः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. "चैत्रो ग्रामं गच्छति" इत्यत्र ग्रामस्य कर्मसंज्ञाविधायकं किं सूत्रमस्ति ?

(1) कर्तुरीप्सिततमं कर्म

(2) कर्मणि द्वितीया

(3) तथायुक्तं चानीप्सितम्

(4) अकथितञ्च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. 'अक्ष्णा काणः' इत्युदाहरणस्य सूत्रमस्ति –

(1) सहयुक्तेऽप्रधाने

(2) इत्थंभूतलक्षणे च

(3) येनाङ्गविकारः

(4) साधकतमं करणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. उपादिपूर्वस्य वसतेः कर्मसंज्ञा स्यात् –

(1) आधारस्य (2) अधिकरणस्य

(3) सम्प्रदानस्य (4) साधकतमस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. अकथितकर्मणः परिगणने निम्नांकितेषु धातुषु न स्वीक्रियते –

(1) पच् (2) दण्ड्

(3) पठ् (4) दुह्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. सूत्रोदाहरणयोरसंगतं युग्मं चिनुत –

(1) अपवर्गे तृतीया – मासमधीते ।

(2) हेतौ – दण्डेन घटः ।

(3) प्रकृत्यादिभ्य उपसंख्यानम् – गोत्रेण गार्ग्यः ।

(4) इत्थं भूतलक्षणे – जटाभिस्तापसः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. नियतोपस्थितिकः उच्यते –

(1) प्रथमा (2) कर्म

(3) प्रातिपदिकार्थः (4) वचनमात्रम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. एषु अभिव्यापकाधारस्योदाहरणं वर्तते –

(1) स्थाल्यां पचति (2) तिलेषु तैलम्

(3) मोक्षे इच्छास्ति (4) कटे आस्ते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. "क्रोशं कुटिला नदी" इत्यस्मिन् विषये निम्नाङ्कितेषु समुचितमुत्तरविकल्पं चिनुत ।

क. अत्र द्वितीया

ख. गुणे अविच्छिन्न संयोगः

ग. अनत्यन्तसंयोगः

घ. अध्वनः प्रयोगः

(1) क, ख, ग (2) ख, ग, घ

(3) क, ग, घ (4) क, ख, घ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. व्यवधाने सति यत्कर्तृकस्य आत्मनो दर्शनस्य अभावम् इच्छति तस्योदाहरणमस्ति –

(1) पापान् निवारयति ।

(2) मातुर्निलीयते कृष्णः ।

(3) अग्नेर्माणवकं वारयति ।

(4) चौरान् न दिदृक्षते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. सर्वनाम्नो हेतुशब्दस्य च प्रयोगे हेतौ द्योत्ये का विभक्तिर्भवति ?

(1) चतुर्थी (2) पंचमी

(3) षष्ठी (4) सप्तमी

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. 'रामे वनं गते सति दशरथः प्राणान् अत्यजत्' इत्यस्मिन् वाक्ये सप्तमीविधायकं सूत्रमस्ति

(1) सप्तम्यधिकरणे च ।

(2) यस्य च भावेन भावलक्षणम् ।

(3) निमित्तात् कर्मयोगे ।

(4) आधारोऽधिकरणम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. क्रुध–द्रुहोपसर्गयोर्योगे यं प्रति कोपः तत् कारकं भवति –

(1) कर्मसंज्ञम् । (2) करणसंज्ञम् ।

(3) सम्प्रदानसंज्ञम् (4) अपादानसंज्ञम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. भाषायाः आकृतिमूलकवर्गीकरणे योगात्मकभाषायाः त्रिविधभेदेषु न वर्तते –

(1) श्लिष्टः (2) अश्लिष्टः

(3) प्रश्लिष्टः (4) विश्लिष्टः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. भाषोत्पत्तिविषये "रणन" इति सिद्धान्तस्य प्रतिपादनं केन महोदयेन कृतम् ?

(1) प्लेटोमहोदयेन ।

(2) रुसोमहोदयेन ।

(3) सुसमिल्समहोदयेन ।

(4) हेर्डरमहोदयेन ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. निम्नांकितेषु भारोपीयपरिवारस्य भाषा नास्ति –

(1) तमिलभाषा (2) संस्कृतभाषा

(3) ग्रीकभाषा (4) लैटिनभाषा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. परिवेश–भेदानुसारम् अर्थपरिवर्तनेष्वसमीचीनं युग्मं चिनुत –

(1) भौगोलिक–परिवेशभेदः – शीशा

(2) सामाजिक–परिवेशभेदः – भाई–साथी

(3) धार्मिक–परिवेशभेदः – दक्षिणा

(4) राजनीतिक–परिवेशभेदः – महाभारत

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. "मृग" इति शब्दः अर्थपरिवर्तनस्य कीदृशः प्रकारः वर्तते ?

(1) अर्थविस्तारस्य

(2) अर्थसंकोचस्य

(3) अर्थादिशस्य

(4) अर्थवैचित्र्यस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. "गवेषणा" इति शब्दः एतेषु कस्योदाहरणम् ?

(1) अर्थोत्कर्षस्य

(2) अर्थापकर्षस्य

(3) अर्थविस्तारस्य

(4) अर्थसंकोचस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. अधोलिखितेषु वर्णेषु मूर्धन्यवर्णाः के सन्ति ?

(1) च्, छ्, ज्, झ् वर्णाः

(2) ट्, ठ्, ड्, ढ् वर्णाः

(3) त्, थ्, द्, ध् वर्णाः

(4) प्, फ्, ब्, भ् वर्णाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. सांख्यदर्शनानुसारम् अन्तःकरणत्वेन कानि तत्त्वानि गण्यन्ते ?

(1) मनो – बुद्धि – अहंकाराः

(2) चित्त – मन – बुद्धयः

(3) अहंकार – बुद्धिः – चित्ताः

(4) चित्त – अहंकार – मनांसि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. सांख्यकारिकानुसारं बुद्धेः सात्त्विकगुणेषु नास्ति –

(1) धर्मः (2) ऐश्वर्यम्

(3) ज्ञानम् (4) रागः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. वेदान्तसारानुसारेण कानि नित्यकर्माणि ?

(1) स्वर्गादीष्ट – साधनानि

(2) जातेष्ट्यादीनि

(3) सन्ध्यावन्दनादीनि

(4) ज्योतिष्टोमादीनि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. भारोपीयपरिवारस्य "केन्तुम" वर्गस्य शाखासु इयं भाषा नास्ति –

(1) केल्टिक भाषा

(2) जर्मनिक भाषा

(3) बाल्टिक भाषा

(4) लैटिन भाषा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. यदा निर्विकल्पकं ज्ञानं करणं, सविकल्पकज्ञानम् अवान्तरव्यापारः, तदा फलं किम् ?

(1) निर्विकल्पकज्ञानम्

(2) हानोपादानोपेक्षा – बुद्धिः

(3) सविकल्पकज्ञानम्

(4) अवान्तरव्यापारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. वेदान्तसारे ज्ञानेन्द्रियैः सहिता इयं बुद्धिर्भवति –

(1) विज्ञानमयकोशः (2) मनोमयकोशः

(3) प्राणमयकोशः (4) कर्ममयकोशः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. अभ्यासवैराग्याभ्यां निरोधो भवति –

(1) योगस्य (2) चित्तवृत्तीनाम्

(3) प्रज्ञायाः (4) समाधानस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. अत्र किं संगतं नास्ति –

(1) सन्दिग्ध साध्यधर्मा धर्मी पक्षः

(2) धूमानुमाने पर्वतः विपक्षः

(3) निश्चितसाध्यधर्माधर्मी सपक्षः

(4) निश्चितसाध्याभाववान् धर्मी विपक्षः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. दृष्टानुश्रविकविषयवितृष्णस्य वशीकारसंज्ञास्ति –

(1) वैराग्यम्

(2) अभ्यासः

(3) तपः

(4) स्मृतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. चार्वाकदर्शनसन्दर्भे किं संगतं नास्ति ?

(1) कण्टकादिजन्यं दुःखमेव नरकः ।

(2) लोकसिद्धो राजा परमेश्वरः ।

(3) देहात्मवादे च स्थूलोऽहं, कृशोऽहमिति व्यधिकरणम् ।

(4) देहच्छेदो मोक्षः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. अधोलिखितेषु प्रमाणेषु किं प्रमाणं चार्वाकदर्शनसम्मतम् ?

(1) शब्दप्रमाणम्

(2) उपमानप्रमाणम्

(3) प्रत्यक्षप्रमाणम्

(4) अनुमानप्रमाणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. विघ्नोपशान्तये नाट्ये जर्जरस्य प्रयोगः केन कृतः ?

(1) भरतेन (2) नायकेन

(3) इन्द्रेण (4) विष्णुना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. काव्यप्रकाशानुसारेण अवरं काव्यं किमस्ति ?

(1) ध्वनिकाव्यम्

(2) गुणीभूतव्यङ्ग्यकाव्यम्

(3) चित्रकाव्यम्

(4) लक्षणाकाव्यम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. "एते कुन्ताः प्रविशन्ति" अत्र का नाम लक्षणा ?

(1) प्रयोजनवती सारोपा उपादानलक्षणा

(2) गौणी सारोपा उपादानलक्षणा

(3) रूढ़ि सारोपा लक्षणलक्षणा

(4) साध्यवसाना उपादानलक्षणा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. "द्वात्रिंशद्धस्तप्रमाणकं मण्डपं" केन नाम्ना अभिधीयते ?

(1) कनिष्ठनाम्ना (2) ज्येष्ठनाम्ना

(3) वरिष्ठनाम्ना (4) मध्यनाम्ना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. रसास्वादनविषयमवलम्ब्य अधोलिखितकथनेषु समुचितमुत्तरं चिनुत –

क. अखण्डः

ख. चिन्मयः

ग. अलोकोत्तरः

घ. ब्रह्मास्वादसहोदरः

(1) क, ग (2) क, ग, घ

(3) क, ख, घ (4) ग, घ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. संकेतितमर्थं बोधयन्ती शब्दस्य शक्त्यन्तरानन्तरिता शक्तिः का ?

(1) लक्षणा (2) अभिधा

(3) तात्पर्या (4) व्यञ्जना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. एतेषु भुक्तिवादः कस्य आचार्यस्य मतं वर्तते ?

(1) भट्टनायकस्य

(2) भट्टलोल्लटस्य

(3) शंकुकस्य

(4) अभिनवगुप्तस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. 'सूरिभिः कथितः' इत्यत्र सूरिभिः पदेन के निर्दिष्टाः ?

(1) भाक्तवादिनः (2) वेदान्तिनः

(3) वैयाकरणाः (4) मीमांसकाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. "यः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य उभौ भेदौ ।" इत्यत्र यः कः ?

(1) शब्दः (2) काव्यम्

(3) अलङ्कारः (4) अर्थः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. तादृशं सम्प्रेषणं यत् द्व्याधिकयोः व्यक्तीनां मध्ये विचार-कौशल-रुचीनाम् आदान-प्रदानाय प्रयुज्यते, तदुच्यते –

(1) अन्तर्वैयक्तिकं सम्प्रेषणम् ।

(2) अन्तः वैयक्तिकं सम्प्रेषणम् ।

(3) जनसंचार-सम्प्रेषणम् ।

(4) समूह-सम्प्रेषणम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. प्रयोजने सारोपालक्षणायाः उदाहरणमस्ति –

(1) कलिंगाः साहसिकाः ।

(2) आयुर्घृतम् ।

(3) गौरयम् ।

(4) कुन्ताः प्रविशन्ति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. निम्नलिखितेषु 'पृच्छाप्रशिक्षण प्रतिमानम्' कासामवधारणानामुपरि आधारितम् वर्तते ।

(i) छात्राः केवलं प्रत्यक्षानुदेशनेनपुनरावृत्तिः माध्यमेन च अधिगमं कुर्वन्ति ।

(ii) छात्राः समस्यात्मकपरिस्थितौ स्वाभाविकरूपेण अन्वेषणं कुर्वन्ति, तथा च स्वचिन्तनप्रक्रियाणां विश्लेषणं कर्तुमपि शक्नुवन्ति ।

(iii) छात्राः नूतनव्यूहानान् अवगच्छन्ति, ये तेषां वर्तमानज्ञानसन्दर्भान् विस्तारयन्ति ।

(iv) पृच्छा छात्रान् वैकल्पिकस्पष्टीकरणम् अवगन्तुं साहाय्यं करोति ।

समीचीनं विकल्पं चिनुत –

(1) (i) एवं (ii)

(2) (iii) एवं (iv)

(3) (i), (ii) एवं (iii)

(4) (ii), (iii) एवं (iv)

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. निम्नाङ्कितेषु किं शिक्षणप्रतिमानं व्यक्तिगतप्रतिमानवर्गात् सम्बन्धितोऽस्ति ?

(1) अनिर्देशात्मक-शिक्षणप्रतिमानम् ।

(2) पृच्छाप्रशिक्षण प्रतिमानम् ।

(3) समूहान्वेषणप्रतिमानम् ।

(4) भूमिकानिर्वहणप्रतिमानम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. एडगर डेल महोदयस्य 'अनुभवशंकुः' इत्यस्य अनुभवान् प्रदत्त – उदाहरणैः सह सुमेलनं कुरुत ।

अनुभवाः		*उदाहरणानि*
A. वास्तविकानुभवाः	i.	श्यामपट्ट लेखनम् ।
B. प्रायोजित-कृत्रिमानुभवाः	ii.	अहोरात्रं निर्माण-प्रक्रियायाः प्रदर्शनम् ।
C. दृश्यात्मक-संकेतानि	iii.	सामाजिक जीवनस्य कस्यचित् पक्षस्य सर्वेक्षणम्
D. प्रदर्शनम्	iv.	उद्योग-संयन्त्रस्य स्थिर-प्रतिरूपणम्

उचितस्य कूटाङ्कस्य चयनं कुरुत –

	A	B	C	D
(1)	iii	iv	i	ii
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	iv	i	ii	iii
(4)	i	ii	iii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. सूचना एवं संचारप्रौद्योगिक्याः सम्प्रत्यये सूचनाप्रौद्योगिकी तथा संचार-प्रौद्योगिक्याः मध्ये किं कथनं स्थापितं सम्बन्धं समुचितरीत्या प्रदर्शयति –

(1) सूचनाप्रौद्योगिकी संचार प्रौद्योगिक्याः स्वतन्त्ररूपेण कार्यं करोति ।

(2) सूचना एवं संचारप्रौद्योगिक्यर्थं संचार प्रौद्योगिक्याः आवश्यकता न भवति ।

(3) सूचनाप्रौद्योगिकी उपग्रहाधारितं एवं स्थलाधारित – संचारप्रौद्योगिक्याः माध्यमेन कार्यं करोति ।

(4) संचारप्रौद्योगिकी केवलं दूरदर्शनपर्यन्तं सीमितं वर्तते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. 'सहकारी-अधिगमे' शिक्षकस्य सर्वथा समुचिता भूमिका का भवति ?

(1) छात्रेभ्यः नैर्यन्तरेण व्याख्यानप्रदानम् ।

(2) समूहाधिगमाय मार्गदर्शकरूपेण सौकर्यप्रदातृरूपेण च कार्यसम्पादनम् ।

(3) निरीक्षणेन विना छात्रेभ्यः कार्यकरणानुमतिः प्रदानम् ।

(4) केवलं सत्रान्तपरीक्षापरिणामानामुपरि ध्यान-केन्द्रीकरणम् ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. संगणकप्रौद्योगिक्यां प्रगत्या कारणेन शिक्षकाः निर्धारित – निर्देशात्मकोद्देश्यानां प्राप्त्यर्थं विभिन्न-संगणक मृदुलोपागमानामुपयोगं कुर्वन्ति ।, अत्र अन्वेषणं कुरुत के-के सोद्देश्यपूर्णाः उपयोगाः सन्ति ?

A. छात्राणां प्रारम्भिकव्यवहाराणां निदानम् ।

B. अनुदेशनात्मकोद्देश्यानां निर्धारणम् ।

C. वैयक्तिक – अनुदेशनात्मकयोजनानां निर्माणम् ।

(1) A, B समीचीनमस्ति परञ्च 'C' असमीचीनम् ।

(2) B, C समीचीनमस्ति परञ्च 'A' असमीचीनम् ।

(3) A, C समीचीनमस्ति परञ्च 'B' असमीचीनम् ।

(4) A, B, C सर्वेऽपि समीचीनाः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. निम्नाङ्कितेषु डिजिटल – अधिगमान्तर्गते किमेकं शिक्षणे प्रयुक्तस्य मृदुलोपागमस्य (software) विशेषता नास्ति ?

(1) मृदुलोपागमः विषयसम्बन्धितं महत्त्वपूर्ण-विचारान् प्रस्तुत्यर्थमेकं भौतिकमाध्यमं वर्तते ।

(2) मृदुलोपागमाः मनोवैज्ञानिकसिद्धान्तेषु आधारिताः भवन्ति ।

(3) मृदुलोपागमानाम् अनुपस्थितौ कठारोपागमाः निष्प्रभाविणः भवन्ति ।

(4) मृदुलोपागमानां प्रकृतिः अस्पृश्याः भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. निम्नलिखितेषु कमप्येकं जेनेरिकमुक्त-ओपनसोर्स-मृदुलोपागमः नाऽस्ति, यस्योपयोगः शिक्षणाधिगमप्रक्रियया सह विषयवस्तुविकासार्थमपि कर्तुं शक्यते ?

(1) फ्रीप्लेन

(2) टर्टलब्लॉक

(3) भुवन

(4) स्क्रैच

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

115. शिक्षण – अधिगमप्रक्रियायां प्रौद्योगिकी-एकीकरणात् (Technology Integration) इदं कथनं सम्बन्धितं नास्ति –

(1) इयं प्रक्रिया छात्रस्य स्वायत्ततां व्यक्तिगताधिगमाभ्यासान्श्च वर्धयति ।

(2) इयं प्रक्रिया विशिष्टावश्यकतायुक्तछात्राणां अधिगमस्य अवरोधनं करोति ।

(3) इयं प्रक्रिया कक्षातिरिक्तसमये अधिगमाय नमनीय-सौकर्ययुक्ताधिगमावसरान् प्रददाति ।

(4) उच्चगुणवत्तायुक्त- अधिगम-संसाधनानां निःशुल्करूपेण प्राप्तिः भवति, यया शिक्षा न्यूनमूल्येन प्राप्यते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

116. अ, इ, उ – इत्येषां वर्णानां प्रत्येकं भेदाः भवन्ति –

(1) द्वादशभेदाः (2) चतुर्दशभेदाः

(3) षोडशभेदाः (4) अष्टादशभेदाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. 'रल्' प्रत्याहारे कति वर्णाः भवन्ति ?

(1) एकोनत्रिंशत् (2) द्वात्रिंशत्

(3) त्रिंशत् (4) एकत्रिंशत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

118. समुचितं मेलनं कृत्वा उत्तरं चिनुत –

क.	उपदेशे इत्	i.	आभ्यन्तरप्रयत्नः
ख.	पदम्	ii.	बाह्यप्रयत्नः
ग.	पञ्चधा	iii.	सुप्तिङन्तम्
घ.	एकादशधा	iv.	हलन्त्यम्

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	iii	i	ii
(2)	iii	i	ii	iv
(3)	ii	iv	iii	i
(4)	i	ii	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

119. उच्चारणस्थानसन्दर्भे असमीचीनं युग्मं विचिनुत –

(1) चवर्गस्योच्चारणस्थानम् – तालु ।

(2) टवर्गस्योच्चारणस्थानम् – मूर्धा ।

(3) तवर्गस्योच्चारणस्थानम् – कण्ठः ।

(4) पवर्गस्योच्चारणस्थानम् – ओष्ठौ ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. संहितासंज्ञा स्यात् –

(1) पदानामतिशयितः सन्निधिः ।

(2) वर्णानामनतिशयितः सन्निधिः ।

(3) वर्णानामतिशयितः सन्निधिः ।

(4) पदानामनतिशयितः सन्निधिः ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. "लाकृतिः" इत्यस्य सन्धिविच्छेदो भवति –

(1) ल + आकृतिः (2) लृ + आकृतिः

(3) ला + कृतिः (4) ला + आकृतिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. सूत्र – उदाहरणेषु असंगतं युग्मं चिनुत –

(1) एङः पदान्तादति – विष्णोऽव

(2) अकः सवर्णे दीर्घः – श्रीशः

(3) शकन्ध्वादिषु पररूपं वाच्यम् – नोपलब्धिः

(4) अदसो मात् – अमी ईशाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. कैरव्यवहिताः हलः संयोगसंज्ञाः स्युः ।

(1) यमैः (2) अज्भिः

(3) व्यञ्जनैः (4) शलैः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. उदाहरणस्य सूत्रेण सह समुचितं मेलनं कृत्वा समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	उपोषति	i.	लोपः शाकल्यस्य
ख.	गङ्गोदकम्	ii.	उरण् रपरः
ग.	हर इह	iii.	आद्गुणः
घ.	कृष्णर्द्धिः	iv.	एङि पररूपम्

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	iii	i	ii
(2)	iii	iv	ii	i
(3)	ii	i	iii	iv
(4)	i	ii	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. 'झयो होऽन्यतरस्याम्' सूत्रस्यास्य विषये असत्यकथनं वर्तते –

(1) 'वाग्हरिः' एतस्योदाहरणं नास्ति ।

(2) 'अज्झीनम्' इत्यपि एतस्योदाहरणं भवति ।

(3) झयः परस्य हस्य वा पूर्वसवर्णः भवति ।

(4) "वाग्घरिः" एतस्योदाहरणं वर्तते ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. अधोलिखितेषु वृद्धिः कथ्यते –

(1) आ, ऐ, औ (2) अ, ए, ओ

(3) आ, ए, औ (4) अ, ऐ, ओ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. "विद्वान् + लिखति" इत्यनयोः पदयोः सन्धिरूपमस्ति –

(1) विद्वालिखति (2) विद्वान्लिखति

(3) विद्वाँलिखति (4) विद्वाँल्लिखति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. यथोचितं मेलनं कृत्वा समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	यशांसि	i.	अनुस्वारस्य ययि परसवर्णः
ख.	शान्तः	ii.	छे च ।
ग.	तच्छिवः	iii.	नश्चापदान्तस्य झलि ।
घ.	शिवच्छाया	iv.	शश्छोऽटि ।

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	i	iv
(2)	iii	i	iv	ii
(3)	iv	ii	iii	i
(4)	i	iv	ii	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. "अजन्तः" इत्युदाहरणे किं सूत्रं प्रवर्तते –

(1) तोर्लिः

(2) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

(3) शश्छोऽटि

(4) झलां जशोऽन्ते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. सूत्रोदाहरणयोः समुचितं मेलनं कृत्वा समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	एतत्तदोः सुलोपोऽकोरनञ्समासे हलि	i.	शिवोऽर्च्यः
ख.	अतो रोरप्लुतादप्लुते	ii.	रश्मी रथः
ग.	भो-भगो-अघो-अ-पूर्वस्य योऽशि	iii.	अघो याहि
घ.	रो रि	iv.	स शम्भुः

	क	ख	ग	घ
(1)	i	iii	ii	iv
(2)	iv	i	iii	ii
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	ii	iii	iv	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. "शम्भू राजते" इति पदस्य विच्छेदोऽस्ति

(1) शम्भु + राजते (2) शम्भुस् + राजते

(3) शम्भूरू + आजते (4) शं + भूराजते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. "विसर्जनीयस्य सः" इत्यनेन सूत्रेण कस्मिन्परे विसर्गस्य स्थाने 'स्' भवति ?

(1) खरि (2) अचि

(3) अति (4) अशि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

133. अधोलिखितेषु उचिताव्ययप्रयोगेण वाक्यं पूरयित्वा समीचीनमुत्तरं चिनुत –

क.	गच्छतु भवान् ..... दर्शनाय ।	i.	तूष्णीम्
ख.	न योत्स्य इति गोविन्दमुक्त्वा ..... बभूवह ।	ii.	मा
ग.	..... ब्रूहि दीनं वचः ।	iii.	पुनः
घ.	.... विदधीत न क्रियामविवेकः परमापदां पदम्	iv.	सहसा

	क	ख	ग	घ
(1)	iii	i	ii	iv
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	iv	ii	i	iii
(4)	ii	i	iv	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. "स त्वां माञ्च अन्तरा उपविष्टः" इत्यत्र "अन्तरा" इति अव्ययस्यार्थोऽस्ति –

(1) विना (2) मध्ये

(3) विहाय (4) निश्चयार्थः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. "हशि च" इति सूत्रस्योदाहरणमस्ति –

(1) बालोऽत्र (2) शिवोऽर्च्यः

(3) हरीरम्यः (4) मनोरथः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. अव्ययपदस्य तात्पर्यदृष्ट्या समीचीनं युग्मं चिनुत -

(1) सहसा – असत्यम्

(2) मिथ्या – युग्मे

(3) चिरम् – बहुकाले

(4) विना – नानार्थे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. अधोलिखितेषु कालबोधकोऽव्ययो नास्ति -

(1) अद्य (2) अधः

(3) ह्यः (4) श्वः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. 'हरि' शब्दस्य द्वितीयाद्विवचने, पञ्चम्येकवचने, षष्ठीद्विवचने, सप्तम्येकवचने च यथाक्रमं रूपाणि भवन्ति -

(1) हरिम्, हरिणः, हरयोः, हरे

(2) हरीः, हरेः, हरीणाम्, हर्योः

(3) हरी, हरेः, हर्योः, हरौ

(4) हरीन्, हरिभ्याम्, हरयोः, हरे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. 'चिरं खलु गतः मैत्रेयः, माऽसौ पुनरागतः ।' वाक्येऽस्मिन् कति अव्ययपदानि ?

(1) त्रीणि (2) द्वे

(3) पञ्च (4) चत्वारि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. "वाच्" इति शब्दस्य सप्तमी – बहुवचने रूपं वर्तते

(1) वाक्सु (2) वाच्सु

(3) वाक्षु (4) वाचसु

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. वधू-शब्दस्य तृतीया-एकवचने रूपं प्राप्यते -

(1) वधूना (2) वधुना

(3) वध्वा (4) वधवा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. समुचितं मेलनं विधाय समीचीनमुत्तरं चिनुत -

क.	मती	i.	द्वितीया-बहुवचनम्
ख.	मतीः	ii.	प्रथमा-एकवचनम्
ग.	नदी	iii.	सप्तमी-एकवचनम्
घ.	नद्याम्	iv.	द्वितीया-द्विवचनम्

	क	ख	ग	घ
(1)	ii	iii	iv	i
(2)	iv	i	ii	iii
(3)	iii	ii	i	iv
(4)	i	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

143. 'अदस्' इति शब्दस्य स्त्रीलिङ्गे षष्ठीविभक्तेः रूपाणि सन्ति -

(1) अमुष्याः अमुयोः अमूषाम्

(2) अमुष्याम् अमुयोः अमीषाम्

(3) अमुष्याः अमीयोः अमीनाम्

(4) अमुष्याः अमीयोः अमीणाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

144. 'वारि' शब्दस्य प्रथमाविभक्तौ रूपाणि कानि कानि भवन्ति ?

(1) वारिः वारीणि वारिणी

(2) वारि वारिणी वारीणि

(3) वारि वारिणि वारिणी

(4) वारि वारीणि वारिणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

145. 'इदम्' शब्दस्य पुंल्लिंगे प्रथमाबहुवचने, द्वितीयाबहुवचने, स्त्रीलिंगे प्रथमाद्विवचने, द्वितीयाबहुवचने च यथाक्रमं रूपाणि भवन्ति –

(1) इमे, इमान्, इमे, इमाः

(2) इमाः, इमा, इमौ, इमे

(3) इमान्, इमे, इमाः, इमान्

(4) इमे, इमाः, इमौ, इमे

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

146. "आत्मन्" इति शब्दस्य विभक्तिनिरूपणे समुचितं युक्तियुक्तं च उत्तरं चिनुत –

क. सप्तमीद्विवचने – आत्मनोः

ख. प्रथमाबहुवचने – आत्मानः

ग. चतुर्थ्येकवचने – आत्मनाय

घ. तृतीयाद्विवचने – आत्मनाभ्याम्

(1) क तथा ख (2) क तथा ग

(3) ग तथा घ (4) ख तथा घ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. "अस्" धातोः मध्यमपुरुषैकवचनस्य रूपं नास्ति

(1) असि (2) आसीः

(3) स्याः (4) अस्तु

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. "नम्" धातोः लृटि मध्यमपुरुष–बहुवचने रूपमस्ति –

(1) नमिष्यथ (2) नंस्यथ

(3) नं स्यथः (4) नस्येथ

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. 'कृ' धातोः परस्मैपद–आत्मनेपदयोः समानं रूपं चिनुत

(1) करोतु – कुरुष्व

(2) अकरोत् – अकुरुत्

(3) करोमि – कुर्वे

(4) करिष्यति – करिष्येते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. "गम्" धातोः विधिलिङ्–उत्तमपुरुषैकवचने रूपमस्ति –

(1) गमेम (2) गच्छेम

(3) गच्छेयम् (4) गमेयम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK